सिक्किम विश्वविद्यालय
स्थापित: 2007

वॉल्यूम: VI
अंक: VI
सितंबर '18

# SIKKIM UNIVERSITY CHRONICLE

## संपादकीय

प्रियजनों,
छात्र संघ महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे प्रशासन और छात्रों के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है। उनके पास छात्रों के कल्याण के लिए काम करने की शक्ति है। छात्र संघ भी कार्यक्रमों के आयोजन और शिकायतों को दूर करने में मदद करता है। इसी क्रम में दिनांक १९ सितंबर २०१८ को सिक्किम विश्वविद्यालय छात्र संघ (सूसा) का चुनाव आयोजित किया गया और सूसा की कार्यकारिणी समिति के चयनित सदस्यों ने दिनांक २४ सितंबर २०१८ को पद की शपथ दिलाई गई। हम बधाई देते हैं और आशा करते हैं कि सूसा की कार्यकारिणी समिति के नवनिर्वाचित सदस्य सभी के हित में काम करेंगे।
एसयू क्रॉनिकल का यह अंक विश्वविद्यालय में आयोजित कुछ कार्यक्रमों पर भी प्रकाश डालता है और मुझे उम्मीद है कि आपको पढ़ने में अच्छा लगेगा।

कुंजिनी प्रकाश दर्नाल

## इस अंक में :

संपादकीय
सिक्किम हिमालय के स्वदेशी फल और सब्जियों के प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन पर एक महीने का कौशल विकास कार्यक्रम
ग्रामीण शहरी अंतराल को कम करने के लिए ग्रामीण सूचना केंद्र
नवागत छात्र सिक्किम विश्वविद्यालय में घर सा महसूस करते हैं - छात्रों की राय का एक संक्षिप्त विवरण
हिंदी पखवाड़ा - २०१८
सिक्किम विश्वविद्यालय छात्र संघ (सूसा) चुनाव २०१८:

## एक माह का कौशल विकास कार्यक्रम

उद्यानिकी विभाग ने बायोटेक पार्क लखनऊ के सहयोग से सिक्किम हिमालय के स्वदेशी फल और सब्जियों के प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर एक महीने का कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र १७ सितंबर २०१८ को सम्मेलन हॉल, बरादसन में आयोजित किया गया था। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति, प्रो.ज्योति प्रकाश तामांग ने की। पद्मश्री प्रो. प्रमोद टंडन, सीईओ बायोटेक पार्क लखनऊ और प्रो. ऋषि शंकर बायोटेक पार्क लखनऊ से प्रो. ऋषि शंकर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।
पद्मश्री प्रो. टंडन ने अपने मुख्य भाषण में सामान्य रूप से उत्तर पूर्वी भारत और विशेष रूप से सिक्किम की समृद्ध जैव विविधता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं में उद्यमिता के लिए विकासशील कौशल की आवश्यकता के बारे में भी उल्लेख किया। एक महीने तक चले कौशल विकास कार्यक्रम का उद्देश्य सिक्किम के स्वदेशी फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन में कौशल विकसित करना है।
कुलपति प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग ने उपभोक्ता उन्मुख जैव संसाधन उत्पादों और पैकेट में उपलब्ध खाद्य उत्पादों में जैव संसाधनों के प्रमाणीकरण और प्रमाणन की आवश्यकता पर जोर दिया।

ईमेल पता : suchronicle@cus.ac.in

# ग्रामीण शहरी अंतराल को कम करने के लिए ग्रामीण सूचना केंद्र

श्री बिनोद भत्तराई, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग
bbhattarai@cus.ac.in

अक्सर यह सुना जाता है और होता है कि सूचना किसी भी अन्य बुनियादी सुविधाओं की तरह एक मूल्यवान संसाधन है। चूंकि जानकारी की कमी के कारण गलत निर्णय लिया जा सकता है, कम विकल्पों की उपलब्धता और कई बार भ्रामक निष्कर्ष हो सकते हैं, अत: किसी भी प्रकार की सूचना किसी भी निर्णय, हमारे दैनिक जीवन के किसी भी पहलू में शामिल प्रक्रिया के लिए आधार है। सूचना/जागरूकता हमारे पेशेवर, व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जब मैं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर का छात्र था और पांडिचेरी विश्वविद्यालय में डॉक्टरेट फैलो था, तो मैं हमेशा कुछ नया करने के लिए उत्सुक और भावुक था जो लोगों को सकारात्मक तरीके से प्रेरित कर सके। उस समय से मुझे केंद्रीय विश्वविद्यालयों या राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों या किसी अन्य केन्द्र पोषित योजनाओं या नौकरी के अवसरों में पूर्वोत्तर के राज्यों से बहुत कम प्रतिनिधित्व का एहसास हुआ है। धीरे-धीरे मुझे यह एहसास होने लगा कि ग्रामीण क्षेत्रों और पहाड़ी स्थानों में हमारे लोगों को विश्वविद्यालयों और इसी तरह के अन्य अवसरों के लिए कई प्रवेश परीक्षाओं के बारे में जानकारी नहीं मिलती है। यह सही है कि सरकार राज्य के विकास की प्रक्रिया में कोई कसर नहीं छोड़ने की पूरी कोशिश कर रही है। राज्य की विकास प्रक्रिया के लिए विभिन्न विकास योजनाएं और रोजगार अभियान शुरू किए गए हैं। हालाँकि, हम इन अवसरों को प्राप्त करने की प्रक्रिया में आम लोगों को शामिल करने में विफल रहे हैं, इसलिए नहीं कि लोग दिलचस्पी नहीं लेते हैं, बल्कि गांवों में रहने वाले लोगों की बड़ी संख्या में जानकारी और जागरूकता की कमी के कारण सूचनाएँ उपलब्ध नहीं हैं.

ई-संसाधन की कमी के कारण राज्य के लोगों को जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे शिक्षा, व्यवसाय या दैनिक गतिविधियों के बारे में जानकारी का अभाव है, जो अवसरों के नुकसान के मामले में बड़ी कीमत चुकाना पड़ता है। उनके गांवों में रहने वाले लोगों के पास विभिन्न विश्वविद्यालयों, विभिन्न फैलोशिप और कार्यक्रमों/योजनाओं में उपलब्ध अवसरों के संदर्भ में शिक्षा जैसे विषयों पर बुनियादी जानकारी का अभाव है जो उनके करियर निर्माण के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता था। इसी तरह हमारे किसानों के पास उन्नत तकनीकी ज्ञान और खेती के विभिन्न उन्नत तरीकों के बारे में जानकारी का अभाव है, जिसके परिणामस्वरूप कम उत्पादकता के मामले में उन्हें बेहिसाब नुकसान हुआ है। वही जीवन के अन्य पहलुओं में कहानी एक ही है। इस विशाल सूचना अंतराल के परिणामस्वरूप, लोगों के लिए उपलब्ध अवसर वास्तव में कम हो गए हैं और परिणामस्वरूप लोगों के लिए उपलब्ध विकल्पों का संकोचन हुआ है- विशेषकर युवाओं के लिए।

मानव संसाधन विकास में सूचना की भूमिका को देखते हुए हम इसे अनदेखा नहीं कर सकते। ई-संसाधनों के आगमन के सा , सारी जानकारी इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध है जो केवल एक क्लिक करने की दूरी पर है। हालांकि, हम लोगों तक इसकी पहुंच को बढ़ाने में पिछड़ रहे हैं।

शहरी-ग्रामीण अंतर को कम करने के उद्देश्य से हमने २०१४ में सिक्किम के सुदूर हिमालयी क्षेत्र के तीन गांवों में एक ग्राम सूचना केंद्र (वीआईसी) शुरू किया है। ये तीन गाँव पूर्वी सिक्किम में सुदुनलखा (कोपची) और तारेइथांग और पश्चिम सिक्किम में दारमदीन गाँव हैं। इन ग्राम सूचना केंद्रों का मुख्य उद्देश्य विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, विभिन्न फैलोशिप और कार्यक्रमों या नौकरी योजनाओं, विभिन्न उन्नत तकनीकी ज्ञान और खेती की जानकारी, विभिन्न योजनाओं में उपलब्ध अवसरों के संदर्भ में शिक्षा से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी तथा सरकार की नीतियां जो आम जनता के लिए फायदेमंद हो सकती हैं उसकी सूचना प्रदान करना है। एक नोटिस बोर्ड के अलावा यह फेसबुक पेज की मदद से शुरू की गई एक छोटा सा पहल है और सिक्किम में ग्रामीण गांवों तक जानकारी फैलाने के लिए ग्रामीण सूचना केंद्र नामक एक ब्लॉग है। ग्राम सूचना केंद्र की मदद से सुशासन पर मुख्य ध्यान दिया जाता है जिसमें सेवा वितरण, सशक्तीकरण, पारदर्शिता प्रबंधन जवाबदेही का मुद्दा शामिल है। यदि भारत जैसे दक्षिण एशियाई देशों में इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो यह ई-गवर्नेंस के अभ्यास और ग्रामीण स्तर पर इसकी स्थिरता को बढ़ा सकता है।

## नवागत छात्र सिक्किम विश्वविद्यालय में घर सा महसूस करते हैं

देवराज महंत और रश्मि प्रधान, प्रथम वर्ष, एमए, जनसंचार

जुलाई महीने में पूर्वोत्तर के एक उत्कृस्ट संस्थान- सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के लिए देश भर के स्थानों से आने वाले छात्रों से सिक्किम में बाढ़ आ जाती है। सिक्किम विश्वविद्यालय देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक है, जो विभिन्न प्रकार के छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम संचालित करता है। छात्रों को शिक्षा देने के अलावा संकाय सदस्य छात्रों की व्यक्तिगत समस्याओं को दूर करने के लिए चिंतित और सहायक हैं। वे प्रत्येक उतार- चढ़ाव के माध्यम से छात्रों का मार्गदर्शन करते हैं और विद्यार्थियों को जिम्मेदार व्यक्ति बनाते हैं। अधिकांश छात्र गंगटोक के नहीं हैं। हालांकि, छात्रों को घर जैसा महसूस करवाने के लिए विश्वविद्यालय बहुत सारी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। छात्रावास की सुविधा छात्रों को नए वातावरण में समायोजित करने और विभिन्न संस्कृतियों और पृष्ठभूमि के लोगों के साथ बातचीत करने में मदद करती है। वरिष्ठ छात्रों का स्वागत करने वाला स्वभाव नए लोगों को सुकून देता है, जो इसे पूर्ण रूप से एक रैगिंग मुक्त संस्थान बनाता है।

यद्यपि विश्वविद्यालय के पास स्थायी परिसर नहीं है, फिर भी छात्रों को एक विभाग से दूसरे विभाग की यात्रा करने में मदद करने के लिए बस सेवाएं प्रदान करता है क्योंकि अधिकांश छात्र गैंगटोक से परिचित नहीं हैं। रानीपूल से काजी रोड तक शुरू होने वाले ११ किमी की दूरी में विभाग की इमारतें फैली हुई हैं। "मौसम अप्रत्याशित है, लेकिन समय के साथ कोई इसका आदी हो जाता है", असम से अनुश्री दे, मनोविगायन विभाग का कहना है। सिक्किम की कुछ आवश्यकताओं में से एक छतरी है। बारिश की बौछारें लगातार और निर्बाध होती हैं। छात्रों ने उन सुविधाओं के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की है जो विश्वविद्यालय जिम और पुस्तकालय की तरह प्रदान करता है, जो विशेष रूप से विश्वविद्यालय के छात्रों के उपयोग के लिए हैं। शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए, इंटरनेट का उपयोग सभी छात्रों को प्रदान किया जाता है और छात्रों को हॉस्टल और कक्षाओं में वाईफाई कनेक्टिविटी प्रदान की जाती है।

"हालांकि मुझे घर की याद आती थी और वापस जाना चाहता था, मुझे एहसास हुआ कि एसयू में मेरे साथी छात्र नवागतों के स्वागत समारोह के बाद से मेरा दूसरा परिवार हैं और उस दिन से मैं बहुत बेहतर महसूस कर रहा हूं और आने वाले दिनों का प्रतीक्षा कर रहा हूं" सिलीगुड़ी से बिजयअधिकारी, भूगोल विभाग। नए छात्रों के लिए घर की याद आना एक एक मुद्दा है। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है यह स्थान एक दूसरा घर बन जाता है और छात्रों को आसानी से इसकी आदत हो जाती है।

दार्जिलिंग, चीनी विभाग से कल्याणी लामा ने कहा "विश्वविद्यालय ने बुनियादी पर्वतारोहण पाठ्यक्रम भी आयोजन किया, जो कि पहला बैच था और पूर्वी सिक्किम में माउंट बुरखांगसे के लिए एक अभियान भी था" । इस तरह की सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ पढ़ाई के साथ-साथ चलती हैं। यह दिमाग की भरपाई करता है और व्यस्त कार्यक्रम से राहत पाने का मौका देता है। कुछ कठिनाइयों के बावजूद अधिकारियों ने छात्रों को हमेशा अपनी प्राथमिकता दी है। समाधान जैसे सहायता केंद्र छात्रों और महिलाओं, जो घर से दूर एक नए स्थान पर समायोजित होने में कठिनाइयों का सामना करते हैं, की मदद करने के लिए स्थापित किया गया है। वे उन छात्रों को परामर्श भी प्रदान करते हैं जो विभिन्न प्रकार की व्यक्तिगत समस्याओं, अवसाद और सभी प्रकार की प्रतिस्पर्धा से दबाव से निपटते हैं और ऐसे मुद्दों को दूर करने में उनकी मदद करते हैं। "शिक्षा प्रणाली देश में सर्वश्रेष्ठ में से एक है", कुरसेओंग से निखिल राय, जनसंचार विभाग ने कहा। अधिकारी आने वाले वर्षों में एक उचित परिसर स्थापित करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं जो शिक्षा की गुणवत्ता और अनुभव को बढ़ा सकता है और उन्हें छात्रों की उज्ज्वल भविष्य की प्रतीक्षा है। बुनियादी ढांचे के अलावा यह छात्रों का समर्पण और पूर्ण समर्पण है जो उन्हें बहुत सफलता के साथ उत्तीर्ण होने में मदद करेगा।

## हिंदी पखवाड़ा 2018

विश्वविद्यालय में ४ सितंबर से १७ सितंबर २०१८ तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। पखवाड़े के दौरान विश्वविद्यालय के छात्रों, संकाय सदस्यों, अधिकारियों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए कई गतिविधियाँ और प्रतियोगिताओं आयोजित की गयी।

छात्रों ने कविता पाठ और निबंध प्रतियोगिताओं और संकाय सदस्यों, अधिकारियों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने श्रुतलेख प्रतियोगिता, आकस्मिक भाषण, पत्र लेखन और नोटिंग लेखन जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह १८ सितंबर २०१८ को आयोजित किया गया था, जिसमें प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा की गई थी और कुलपति, कुसलचिव और वित्त अधिकारी ने प्रमाण पत्र और सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए थे।

## सिक्किम विश्वविद्यालय छात्र संघ (सूसा) चुनाव 2018

सिक्किम विश्वविद्यालय छात्र संघ 2018 के विभिन्न पदों के लिए दिनांक 19 सितंबर 2018 को विश्वविद्यालय के कावेरी हॉल में चुनाव आयोजित किया गया था। मतदान सुबह आठ बजे से अपराह्न तीन बजे तक हुआ और वोटों की गिनती उसी दिन शाम 4 बजे से हुई। मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. शिलाजीत गूहा ने चुनाव के सुचारू संचालन के लिए विस्तृत व्यवस्था की थी।

सूसा की कार्यकारी समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों को 24 सितंबर 2018 को शपथ दिलाई गई। कुलपति और सूसा के संरक्षक प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग ने सिक्किम विश्वविद्यालय छात्र संघ (सूसा) की कार्यकारी समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई।